## स्थानांतरण सूची जारी होने के बाद चयनात्मक संशोधन और कथित आर्थिक लेनदेन की चर्चाएं तेज

# CMHO कार्यालय में ट्रांसफर उद्योग पर फिर सवाल: रातों-रात सूची फिर संशोधन का खेल, लेनदेन के आरोपों से घिरा स्वास्थ्य विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय एक बार फिर स्थानांतरण प्रक्रिया को लेकर सवालों के घेरे में है। हाल ही में जारी हुई स्थानांतरण सूची के बाद कर्मचारियों के बीच कथित आर्थिक लेनदेन, चयनात्मक संशोधन और प्रभाव के आधार पर आदेशों में बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामलों ने पूरे ट्रांसफर सिस्टम की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

स्वास्थ्य विभाग में चर्चा है कि स्थानांतरण सूची जल्दबाजी में तैयार कर जारी की गई। इसके बाद कई कर्मचारियों ने विभागीय स्तर पर आपत्ति दर्ज कराई तो कुछ न्यायालय पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद कुछ कर्मचारियों को राहत मिल गई, जबकि कई अन्य कर्मचारी आज भी दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर राहत किन मानकों के आधार पर दी गई।

सूत्रों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग में वर्षों से स्थानांतरण, अटैचमेंट, पदस्थापना और अन्य प्रशासनिक कार्यों में कथित आर्थिक लेनदेन की शिकायतें सामने आती रही हैं। हाल के ट्रांसफरों ने इन चर्चाओं को एक बार फिर हवा दे दी है। कर्मचारियों का आरोप है कि बिना प्रभाव या कथित लेनदेन के अपनी पसंद की पदस्थापना मिलना कठिन हो गया है।

### कुछ स्थानांतरण चर्चा के केंद्र में

सूत्रों के अनुसार, उमस सनोडिया, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का स्थानांतरण चौरई से पिपरिया राजगुरु (अमरवाड़ा) किया गया था। वहीं भारती चौरसिया, लैब टेक्नीशियन का स्थानांतरण कुंडा से तामिया विकासखंड के गढ़ डिब्बा किया गया। आरोप है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद वे पुनः अपनी पुरानी पदस्थापना पर कार्यरत दिखाई दे रही हैं। इन परिस्थितियों ने विभागीय प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। इसी तरह पुष्पा प्रधान, जिनका स्थानांतरण उप स्वास्थ्य केंद्र कुंडा से मुखेड़ ब्लॉक किया गया था, उनका मामला भी चर्चा में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष भी उनका स्थानांतरण ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद बड़ी कठिनाई से कराया गया था। अब आरोप लगाए जा रहे हैं कि न्यायालय से अंतरिम राहत प्राप्त करने के बाद वे पुनः उसी स्थान पर पदस्थ हो गई हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

### कोर्ट की आड़ या नियमों का पालन?

जानकारों का कहना है कि न्यायालय द्वारा कई मामलों में विभाग को नियमानुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी जाती है। लेकिन यदि इस अधिकार का उपयोग सभी मामलों में समान रूप से नहीं किया गया हो, तो इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।यही कारण है कि कर्मचारियों और आम नागरिकों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या सभी मामलों में एक जैसे नियम लागू किए गए या कुछ मामलों में विशेष परिस्थितियां बनाई गईं। यदि किसी कर्मचारी को राहत दी गई तो उसका स्पष्ट प्रशासनिक आधार सार्वजनिक होना चाहिए।

### पूरी ट्रांसफर सूची की जांच की मांग

सूत्रों का कहना है कि यदि हाल ही में जारी पूरी स्थानांतरण सूची की स्वतंत्र जांच कराई जाए तो कई ऐसे तथ्य सामने आ सकते हैं, जो स्थानांतरण प्रक्रिया की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करेंगे। जांच में यह देखा जाना चाहिए कि किन कर्मचारियों का स्थानांतरण हुआ, किनके आदेश बाद में बदले गए, किन मामलों में निरस्तीकरण हुआ और उसके पीछे क्या प्रशासनिक कारण दर्ज किए गए। यदि सभी निर्णय नियमों के अनुरूप हुए हैं तो जांच से विभाग की छवि मजबूत होगी। वहीं यदि किसी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात सामने आता है तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई होना आवश्यक होगी।

### बार-बार विवादों में CMHO कार्यालय

CMHO कार्यालय पूर्व में भी विभिन्न मामलों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल के महीनों में हुई लोकायुक्त कार्रवाई के बाद उम्मीद थी कि विभागीय कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी होगी, लेकिन अब ट्रांसफर प्रक्रिया पर उठे सवालों ने एक बार फिर पूरे तंत्र की कार्यशैली पर बहस छेड़ दी है।प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानांतरण शासन की नियमित प्रक्रिया है, लेकिन यदि इसमें पारदर्शिता नहीं होगी तो कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित होगा और आम जनता का विश्वास भी कमजोर पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग जैसे संवेदनशील विभाग में ऐसी स्थिति का सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ सकता है।

### प्रशासन से निष्पक्ष जांच की अपेक्षा

जिले में यह मांग उठ रही है कि स्थानांतरण प्रक्रिया की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और पूरी सूची की समीक्षा की जाए। यदि किसी कर्मचारी को नियमों के विपरीत लाभ पहुंचाया गया है या किसी के साथ भेदभाव हुआ है तो उसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।यदि शासन स्तर पर ट्रांसफर प्रक्रिया को लेकर लगातार इस प्रकार के विवाद सामने आते रहे तो कर्मचारियों के बीच गलत संदेश जाएगा और आम नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास भी प्रभावित होगा। इसलिए आवश्यक है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि यदि आरोप निराधार हैं तो स्थिति स्पष्ट हो सके और यदि आरोपों में तथ्य हैं तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सक

# नियमों को चुनौती? गृहग्राम में वर्षों से जमे पंचायत सचिव पर उठे सवाल, कार्रवाई की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

**मध्य प्रदेश शासन द्वारा पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्पष्ट व्यवस्था लागू की गई है कि कोई भी ग्राम पंचायत सचिव अपने गृहग्राम अथवा ससुराल की ग्राम पंचायत में पदस्थ नहीं रहेगा।**

शासन के इस निर्णय के बाद प्रदेशभर में ऐसे मामलों की समीक्षा शुरू होने की चर्चाएं हैं। इसी बीच अमरवाड़ा जनपद की ग्राम पंचायत केकड़ा का मामला भी चर्चा में आ गया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत केकड़ा में पदस्थ पंचायत सचिव जगत प्रसाद चंद्रवंशी का गृहग्राम भी केकड़ा ही है। आरोप है कि शासन के स्पष्ट नियमों के बावजूद वे लंबे समय से इसी ग्राम पंचायत में पदस्थ हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन के निर्देशों का समान रूप से पालन किया जा रहा है, तो इस मामले की भी निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था का उद्देश्य स्थानीय प्रभाव और हितों के टकराव की संभावनाओं को समाप्त करना है। ऐसे में यदि किसी पंचायत सचिव की पदस्थापना गृहग्राम में पाई जाती है, तो उसे नियमानुसार अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने जिला पंचायत छिंदवाड़ा एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि जगत प्रसाद चंद्रवंशी के मामले की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि उनकी वर्तमान पदस्थापना शासन के नियमों के अनुरूप है या नहीं। यदि जांच में यह तथ्य सही पाए जाते हैं कि वे अपने गृहग्राम में पदस्थ हैं, तो उन्हें तत्काल वहां से हटाकर किसी अन्य जनपद अथवा ब्लॉक में स्थानांतरित किया जाए, ताकि शासन के निर्देशों का समान रूप से पालन सुनिश्चित हो सके।अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला पंचायत प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और जांच के बाद क्या कार्रवाई की जाती है।

यदि आपके पास शासन का संबंधित आदेश या दस्तावेज उपलब्ध है, तो उसके आधार पर खबर को और अधिक मजबूत तथा तथ्यपरक बनाया जा सकता है।

# चोरी के शक में दो कर्मचारियों की बेरहमी से पिटाई खंभे से बांधकर बेल्ट से मारने का वीडियो वायरल

## कृषि केंद्र में चोरी के संदेह पर दो कर्मचारियों को पीटने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चौरई

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। चौरई नगर के चंदनवाड़ा रोड स्थित किशन वर्मा के त्रिमूर्ति कृषि केंद्र में काम करने वाले बंटी वर्मा, मोहित वर्मा नाम के दो युवकों को एक लाख तीस हजार चोरी के शक में खंभे से बांधकर बेल्ट से पीटे जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

### कृषि केंद्र में युवकों पर चोरी का शक

दोनों युवक चंदनवाड़ा रोड बस स्टैंड के पास स्थित त्रिमूर्ति ट्रेडर्स एवं कृषि केंद्र में काम करते थे। किसी सामान की चोरी का संदेह होने पर उन पर आरोप लगाया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचाने के बजाय कथित तौर पर दोनों युवकों को मौके पर ही रोक लिया गया। आरोप है कि उन्हें खंभे से बांधकर उनके साथ मारपीट की गई। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

### बेल्ट से की गई पिटाई

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दोनों युवक खंभे से बंधे दिखाई दे रहे हैं। कुछ लोग उन्हें बेल्ट से मारते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों युवक खुद को छुड़ाने की कोशिश करते दिखते हैं लेकिन उनके साथ लगातार मारपीट होती रहती है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने इस तरीके पर नाराजगी जताई है और कहा है कि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

### पुलिसकर्मी की मौजूदगी पर भी उठे सवाल

वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी भी दिखाई देता है। वीडियो में वह कैमरे से बचने की कोशिश करता नजर आता है। साथ ही कुछ आवाजें भी सुनाई देती हैं, जिनके आधार पर सोशल मीडिया पर पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

### संदेह था तो पुलिस को सौंपते

घटना के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि किसी पर चोरी का संदेह था तो उसे पुलिस के हवाले किया जाना चाहिए था। किसी को सार्वजनिक रूप से बांधकर मारना कानून के खिलाफ है। लोगों का मानना है कि दोषी कौन है, इसका फैसला जांच के बाद होना चाहिए, न कि मौके पर सजा देकर। मौके पर खड़े पुलिसकर्मी पर भी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

### सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा वीडियो

घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह अलग अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से साझा किया जा रहा है। वीडियो देखने के बाद लोग अपनी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोगों ने इस घटना को अमानवीय बताया है, जबकि कुछ लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस ने आरोपी युवकों पर चोरी का केस दर्ज किया है वहीं बेल्ट से मारपीट करने वाले युवकों पर मारपीट का केस दर्ज किया है। बंधक बनाने पर कोई धारा नहीं लगाई गई है। यह मामला निश्चित रूप से मानव अधिकार आयोग जाने की संभावना जताई जा रही है। अगर मामला मानव अधिकार आयोग गया तो आगे भी बड़ी कार्यवाही होने की संभावना है।

## कन्हरगाव डेम में जलस्तर जस का तस

# एक सप्ताह में तीसरी बार कन्हरगाँव डेम में पानी की स्थिति जानने पहुंचे महापौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

शहर में पेयजल संकट को देखते हुए नगर निगम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। एक सप्ताह के भीतर तीसरी बार महापौर विक्रम अहके कन्हरगांव डेम पहुंचे और जलस्तर तथा पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निगम प्रशासन का कहना है कि जलस्तर में फिलहाल कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है, लेकिन शहरवासियों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

मानसून की धीमी रफ्तार के चलते कन्हरगांव डेम का जलस्तर अभी भी जस का तस बना हुआ है। इसी स्थिति का जायजा लेने महापौर विक्रम अहके एक सप्ताह में तीसरी बार डेम पहुंचे। उन्होंने मौके पर अधिकारियों से जल भंडारण, पंप संचालन और पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान वरिष्ठ नेता मनोज सक्सेना, मनोज कुशवाह, निगम सहायक यंत्री विवेक चौहान, उपयंत्री रोहित सूर्यवंशी, गीतेश धुर्वे उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा 24 घंटे निगरानी रखने के लिए अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। अधिकारी लगातार डेम की स्थिति, मोटर-पंप संचालन और जलापूर्ति व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं ताकि शहर में पेयजल आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रहे और किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए पानी का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों में करें और पानी की अनावश्यक बर्बादी से बचें। प्रशासन का कहना है कि सभी के सहयोग से ही इस चुनौतीपूर्ण समय में पेयजल व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकता है।

### अविस्मरणीय होगा तामिया सावन महोत्सव: कलेक्टर

**छिन्दवाड़ा।** तामिया की खूबसूरत वादियों में छाने वाला कोहरा हमेशा से पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। बारिश के दिनों में यहां होने वाला सावन महोत्सव पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय रहे, इसके लिए सभी संबंधित अपने कार्य को बेहतर तरीके से करें ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उक्ताशय के विचार कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने रातेड़ व्यू पॉइंट यूरेका केम्प में सावन महोत्सव की तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में व्यक्त किए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार ने कई बहुत महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में जुन्नारदेव एसडीएम सुश्री राजनंदिनी ठाकुर, तामिया जनपद पंचायत सीईओ सुश्री मोनिका झारिया, डीएटीसीसी के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत, पर्यटन प्रबंधक गिरीश लालवानी, तहसीलदार संजय मसराम सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड व जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से अगस्त माह में सावन महोत्सव तामिया-पातालकोट में आयोजित किया जा रहा है। इसकी तैयारियों की बैठक में तामिया सावन महोत्सव में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने सभी ट्रेकिंग व सेल्फी पॉइंट पर सुरक्षा बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए हैं।

# तामिया में निर्माण कार्यों पर सवाल: कन्या आश्रम भवन में दिखीं तकनीकी खामियां, जांच की उठी मांग

## निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर आरोप, स्थानीय लोगों ने अधिकारियों-ठेकेदार की मिलीभगत की आशंका जताई, भौतिक सत्यापन कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

तामिया। तामिया तहसील में विभिन्न शासकीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। क्षेत्र में संचालित सड़क, पुल-पुलिया, छात्रावास, आश्रम और अन्य सरकारी भवनों के निर्माण में तकनीकी मानकों की अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इन निर्माण कार्यों का स्वतंत्र भौतिक सत्यापन कराया जाए तो कई परियोजनाओं में निर्धारित मापदंडों के विपरीत कार्य मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सड़क विकास, लोक निर्माण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग तथा पुलिस हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से तामिया क्षेत्र में कई निर्माण कार्य ठेका पद्धति से कराए जा रहे हैं। आरोप है कि निर्माण एजेंसियों द्वारा गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है और संबंधित तकनीकी अधिकारियों की पर्याप्त निगरानी नहीं होने से अनियमितताओं की आशंका बढ़ रही है।

इसी क्रम में पुलिस हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से पुरानी स्कूल कॉलोनी क्षेत्र में निर्माणाधीन कन्या आश्रम भवन चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का दावा है कि भवन के ऊपरी हिस्से की बीम (टॉप बीम) बाहर से ही स्पष्ट दिखाई दे रही है, जिससे निर्माण की

गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि इस खामी को छिपाने के लिए पहले मोटा प्लास्टर किया गया, लेकिन प्लास्टर टिक नहीं पाने पर बीम को समतल दिखाने के उद्देश्य से जाली लगाकर दोबारा प्लास्टर करने का प्रयास किया गया।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि भवन के दिखाई देने वाले हिस्से में ही ऐसी स्थिति है, तो प्लिंथ, बीम, कॉलम और अन्य संरचनात्मक भागों की गुणवत्ता की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

उनका आरोप है कि निर्माण कार्यों की तकनीकी निगरानी, गुणवत्ता परीक्षण तथा कंक्रीट क्यूब टेस्ट जैसी प्रक्रियाओं का वास्तविक पालन हुआ है या नहीं, इसकी भी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग निर्माणाधीन कन्या आश्रम सहित अन्य सरकारी परियोजनाओं का विशेषज्ञों से भौतिक सत्यापन कराएं। यदि जांच में किसी प्रकार की तकनीकी लापरवाही, वित्तीय अनियमितता या मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

# 4 वाहन जप्त, 29 वाहनों पर 2 लाख से अधिक का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

परिवहन आयुक्त एवं कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छिन्दवाड़ा श्री अनुराग शुक्ला ने विशेष जांच दल के साथ शुक्रवार को नागपुर मार्ग पर संचालित स्कूल वाहनों तथा जिले के निवासियों द्वारा अन्य राज्यों में पंजीकृत कराए गए वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान लगभग 70 छोटे-बड़े वाहनों की जांच की गई। इस दौरान वाहनों के दस्तावेज, चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, ओवरलोडिंग एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं का परीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान

यात्री बस क्रमांक एमपी 28 एमजे 0786 एवं स्कूल बस एमपी 28 पी 0490 को जप्त कर पुलिस थाना सौंसर (जिला पांढुर्णा) में खड़ा कराया गया। वहीं स्कूल वाहन एमपी 28 जेडएफ 2607 तथा ट्रक एमएच 40 एके 4036 को मेघासिवनी बायपास पर खतरनाक स्थिति में खड़ा पाए जाने पर जप्त कर अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, छिंदवाड़ा परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया। परिवहन विभाग ने बताया कि इस सप्ताह मोटरयान अधिनियम के तहत दस्तावेजों एवं अन्य कमियां पाए जाने पर 29 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई, जिससे 2,31,500 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। परिवहन विभाग ने यह भी बताया कि जिले में निवासरत कुछ वाहन स्वामी टैक्स बचाने के उद्देश्य से नए वाहनों का पंजीयन अन्य राज्यों में करा रहे हैं, जिससे मध्यप्रदेश शासन को कर राजस्व की क्षति हो रही है। इस संबंध में परिवहन अधिकारी द्वारा विभिन्न मार्गों पर अन्य राज्यों में पंजीकृत वाहनों एवं उनके स्वामियों के स्थायी पते का निरीक्षण किया गया।

## खामोश खेतों में उम्मीद की हरियाली: जलवायु अनुकूल खेती ने बदली किसानों की सोच

# सरकार के साथ मिलकर ओम कुमारी ने लिखी 'जीरो टिलेज' की नई गाथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जिले की मिट्टी में एक खामोश बेचैनी बरसों से पल रही थी। जिले के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश, फरवरी-मार्च से ही तपने लगती धूप और साल-दर-साल गिरता भूजल स्तर—किसान अपनी आंखों के सामने अपने पुरखों की खेती को हांफते हुए देख रहे थे। श्रीमती ओम कुमारी विश्वकर्मा जी के घर पे साल में केवल दो ही फसलें—खरीफ में मक्का और रबी में गेहूं—लेते थे, और गर्मी के महीनों में खेत खाली पड़े रहते, मानो धरती भी थककर सुस्ता रही हो। इसी बदलती जलवायु के बीच मध्य प्रदेश शासन और बोरलाग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया

(BISA), जबलपुर के संयुक्त प्रयासों से चलाये जा रहे 'जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम' प्रदेश के नौ जिलों में उम्मीद की नई किरण लेकर पहुंचा, और छिंदवाड़ा जिला इस बदलाव की अगली कतार में खड़ा हो गया।गांव में जब बिसा के वैज्ञानिकों और कृषि विभाग की टीमें किसानों से मिलने पहुंचीं, तो सबसे पहले तकनीक अपनाने के लिए आगे आने वालों में जमनिया जेठू गांव की श्रीमती ओम कुमारी विश्वकर्मा का नाम शामिल था। खेती को हमेशा से पुरुषों का काम माना जाता रहा है।

### फसल सघनता में वृद्धि और तीसरी फसल का जुड़ाव

पहले जिस खेत को गर्मी में देखकर मन उदास हो जाता था, ओम कुमारी जी ने उसी सूनी धरती में उम्मीद बोने की ठानी। रबी के बाद खाली पड़े समय का सदुपयोग करते हुए उन्होंने तीसरी फसल के रूप में मूंग को अपने फसल चक्र में जोड़ा। इससे उनकी क्रॉपिंग इंटेंसिटी (फसल सघनता) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई सीमित भूमि से वर्षभर में मिलने वाला उत्पादन और मुनाफा बढ़ा, परिवार की आय में एक नया सहारा जुड़ा, और खेत व संसाधनों का पूरे वर्ष कुशल उपयोग संभव हुआ। मूंग जैसी दलहनी फसल जोड़ने से एक वैज्ञानिक फायदा भी मिला: इसकी जड़ों की ग्रंथियां वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करती हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति लौटी और अगली मक्के की फसल के लिए खेत पहले से बेहतर तैयार हुआ।

### जीरो टिलेज, अवशेष प्रबंधन और ऑर्गेनिक मल्चिंग

गेहूं कटाई के बाद परंपरागत रूप से खेत को दो-तीन बार जोता जाता था, जिससे मिट्टी की नमी उड़ती थी और डीजल पर हजारों रुपये खर्च होते थे यह खर्च हर साल परिवार के बजट पर भारी पड़ता था। ओम कुमारी जी ने आधुनिक जीरो टिलेज मशीन अपनाई और बिना जुताई के गेहूं के खड़े ठूंठों के बीच सीधे मूंग की बुवाई कराई। खेत में बची पराली को जलाने के बजाय वहीं छोड़ा गया, जिसने मिट्टी पर एक प्राकृतिक चादर 'ऑर्गेनिक मल्चिंग' और सुव्यवस्थित अवशेष प्रबंधन का काम किया। इससे धूप सीधे मिट्टी पर नहीं पड़ी, नमी बनी रही, और खरपतवार को उगने के लिए धूप ही न मिलने से दवाओं का खर्च भी बचा। पराली के बीच से फूटते नन्हे हरे अंकुर देखकर ओम कुमारी जी की आंखों में जो चमक आई, वह किसी भी वैज्ञानिक रिपोर्ट से कहीं ज्यादा कुछ कहती थी।

# जल संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान में जुड़े सैकड़ों लोग

## श्रमदान करने लोगों ने थामें एक दूसरे के हाथ, सरकारी तंत्र ने फिर दिखाई लापरवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता और सामाजिक सहभागिता का एक अनूठा उदाहरण शुक्रवार को जुन्नारदेव शहर की लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित धार्मिक स्थल पहली पायरी में दिखा। यहां पर सोशल मीडिया में चले एक संदेश पर सैकड़ो लोग एकत्रित हो गए और जल संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए यहां उन्होंने श्रमदान किया।

इस आदिवासी क्षेत्र की सुप्रसिद्ध पहचान और प्रतिष्ठित पहली पायरी की अविरल जलधारा और प्राचीन शिव मंदिर का अपना एक विशेष महत्व है। यहां पर जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत की अकर्मण्यता के चलते बीते कुछ माह से गंदगी के बढ़ते साम्राज्य के उन्मूलन के लिए स्थानीय लोगों के एक समूह के द्वारा सोशल मीडिया पर बीते 48 घंटे पहले एक पहल की गई थी, जिसके परिणामस्वरुप ही शुक्रवार की सुबह सैकड़ो लोग स्वयंस्फूर्ति से यहां आ पहुंचे। यहां के संपूर्ण मंदिर क्षेत्र की लोगों ने हाथों में दस्ताने पहन झाड़ू लेकर अपने सिरों पर तसले और घमेला उठा लिया।

मानव श्रृंखला बनाकर लोगों ने यहां की गंदगी को साफ कर एक अनूठा संदेश दिया है। आज के इस श्रमदान से सरकारी तंत्र के द्वारा की जा रही औपचारिकता को लोगों ने जमकर तमाचा मारा है। इस पहली पायरी मंदिर क्षेत्र के परिसर को आज लोगों ने अपने श्रमदान से साफ सुथरा बनाया है।

इस धार्मिक स्थल पर श्रमदान का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। इसी कड़ी में अब अगला श्रमदान आगामी 17 जुलाई 2026 दिन शुक्रवार को प्रातः 6:30 बजे होगा। इसमें बड़ी संख्या में शहर के नागरिकगण, व्यापारीजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चों सहित एनजीओ, सामाजिक संस्थाएं जनप्रतिनिधीगण, राजनेतागण, पत्रकार बंधु सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। अंत में समस्त उपस्थित लोगों के बीच स्वल्पाहार वितरित किया गया।

### प्रशिक्षण अकादमी एवं दमुआ के लोगों ने दिखाई एक नई जागरूकता

इस क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल की पहली पायरी के पुरातात्विक, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व के चलते इसकी लोकप्रियता चरम पर है। यही कारण रहा कि सोशल मीडिया पर इस क्षेत्र में स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश देने वाले मात्र एक संदेश की अपील पर ही सैकड़ो लोग बड़ी संख्या में जुटे। नगर से 16 किलोमीटर दूर स्थित दमुआ नगर पालिका क्षेत्र के भी कई युवा बड़ी संख्या में यहां पर सफाई के दस्ताने, घमेले एवं तसले लेकर पहुंचे। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे कई युवा वर्ग की नौजवान भी आज के इस श्रमदान में योगदान देते दिखे।

### श्रमदान के इस आयोजन में सरकारी तंत्र की अनुपस्थिति, लापरवाही और उपेक्षा का फिर मिला उदाहरण

जनपद पंचायत के मुख्यालय वाली इस ग्राम पंचायत जुन्नारदेव विशाला में आयोजित इस श्रमदान के कार्यक्रम में सरकारी तंत्र की लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई। जनपद पंचायत और जुन्नारदेव विशाला पंचायत की अनियमिता और लापरवाही के चलते ही इस क्षेत्र में गंदगी पैर पसार रही है। इसको लेकर ही लोगों में आक्रोश बना हुआ है। यही कारण रहा कि सोशल मीडिया पर स्वच्छता एवं जल संरक्षण के इस संदेश के बूते ही लोग यहां पहुंच गए, लेकिन जनपद पंचायत एवं जुन्नारदेव विशाला ग्राम पंचायत के द्वारा यहां पर कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई। लोग आज जहां पर खुद दस्ताने, तसले, फावड़े एवं घमेले लेकर पहुंचे। जनपद पंचायत एवं जुन्नारदेव विशाला ग्राम पंचायत की आज की यह लापरवाही निश्चित रूप से शर्मनाक रही, जिसकी लोगों ने जमकर चर्चा की है। गौर तलब है कि बीते माह में जल संरक्षण के तहत आयोजित मध्य प्रदेश सरकार के गंगा जल संवर्धन अभियान का भी इस क्षेत्र में कोई बड़ा कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण रहा था।

### एक दशक पूर्व आयोजित जल संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान की स्मृति हुई ताजा

जल संरक्षण एवं स्वच्छता की यह अलख इस क्षेत्र के लिए कोई नई बात नहीं रही है। आज से एक दशक पूर्व जून 2016 में भी इसी मंदिर परिसर में जल संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान के तहत एक वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित समाजसेवी संगठन, धार्मिक एवं सामाजिक लोगों ने एकत्रित होकर जागरूकता का परिचय दिया था। गौरतलब है कि तत्कालीन एसडीएम सुलेखा ठाकुर के द्वारा इस क्षेत्र के प्राचीन बावड़ी, पहली पायरी, कॉलेज तालाब, रेलवे बंधा तालाब सहित कई स्थानों पर लगातार दो माह तक जल संरक्षण एवं स्वच्छता का अभियान चलाया था। आज पहली पायरी में आयोजित इस श्रमदान के आयोजन में लोगों की उसी की पुरानी स्मृतियां एक बार फिर ताज़ी होती दिखी। एक दशक पुराने उस अभियान की एक झलक आज के इस कार्यक्रम में जरूर देखी गई है।

## दो दिवसीय शतरंज कैरम एवं ब्रिज स्पर्धा का आयोजन

**परासिया।** वेकोली पेच क्षेत्र के महाप्रबंधक विकास कुमार अग्रवाल जी की अनुशंसा पर कल्याण समिति न्यूटन सब एरिया के तत्वाधान में ,दो दिवसीय शतरंज कैरम एवं ब्रिज स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें 3 जुलाई 2026 को समापन कार्यक्रम में ,पेच क्षेत्र के मुखिया श्री विकास कुमार अग्रवाल जी, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक पीसी सोनी जी, उप क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेंद्र मोहन जायसवाल जी, तथा क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य, क्षेत्रीय संचालन समिति सदस्य उपस्थित हुए। शतरंज में कृष्णकांत बावरिया तथा पियूष बावरिया ने ऑर्बिटर की भूमिका अदा की ,ब्रिज में हीरालाल त्रिपाठी डायरेक्टर के रूप में उपस्थित रहे । कैरम में रेफरी क्यूरेटर के रूप में नेपाल सिंह, अनुनय श्रीवास्तव ,संजर आलम, अब्बास तथा पवन कुमार उपस्थित रहे।शतरंज ब्रिज तथा कैरम में पेच क्षेत्र के लगभग 103 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें शतरंज में सहवाज अख्तर प्रथम, नीतीश नागेश द्वितीय, एफ्राज खान तृतीय, लालबाबू चतुर्थ ,संतोष विश्वकर्मा पंचम तथा मुकेश शर्मा षस्टम खिलाड़ी के रूप में पुरस्कृत किए गए शतरंज चैंपियनशिप में न्यूटन सवेरिया विनर तथा शिवपुरी सवेरिया रनर रहा। कैरम में पवन कुमार एवं मोहन सिंह प्रथम तथा नेपाल वर्मा और संजर आलम द्वितीय रहे। कैरम चैंपियनशिप में न्यूटन सब एरिया विनर तथा नेहरिया सवेरिया रनर रहा। ब्रिज में नेहरिया सवेरिया विनर तथा एरिया यूनिट रनर रहा। ब्रिज के खेल में सुनील पांडे ,आकाश, दीप्तिकेश, ज्ञानेंद्र का शानदार प्रदर्शन रहा। महिला शतरंज में ममता चौरिया प्रथम, तथा कैरम में ममता चौरिया प्रथम तथा प्रियंका त्रिपाठी द्वितीय रही । पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम संचालन न्यूटन सव एरिया के कल्याण अधिकारी एसके डेहरिया ने किया कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन एवं समापन मेहमूद खान ने किया।

## ओवर ब्रिज के विद्युत कार्य में लापरवाही, नपा अध्यक्ष ने संबंधित एजेंसी को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

नगर में नवनिर्मित ओवर ब्रिज के निर्माण के बिजली फिटिंग में घोर लापरवाही की गई। ओवरब्रिज पर लगे स्ट्रीट लाईट के पोलों में सुरक्षा की अनदेखी की गई है। जिसके कारण कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। बिजली फिटिंग में हुई अनियमितता एवं त्रुटियों के संबंध में मध्य प्रदेश.पू. क्षे. विद्युत वितरण कंपनी ने अनियमितताएं एवं त्रुटियां का उल्लेख करते हुए एमपी आरडीसी कंपनी एवं ठेकेदार को लिखित में सूचना देते हुएबताया कि ब्रिज पर लगाये स्ट्रीट लाईट पोल के अंदर जो केबल व ज्वाईंट में सुरक्षा का ध्यान नही रखा गया है।

कही पर भी जंक्सन पॉइंट नहीं बनाये गये है। जिसमें लोड एक ही केवल पर आयेगा। जिससे कभी भी कोई दुर्घटना घट सकती है।निर्माण एजेंसी के द्वारा जो केवल (बिजली के तार) डाले गए है।वह एक ही सर्किट से कनेक्ट कर दी गयी है। जिससे कभी भी फाल्ट होने पर पूरी लाईट एक साथ बंद हो सकती है। व सम्पर्क में आने वाले किसी भी व्यक्ति को विद्युत आघात दे सकती है। ठेकेदार द्वारा ओवर ब्रिज पर विद्युत का क्या लोड है उसका उल्लेख नही है।ओर लोड के हिसाब से कितने लोड की केबल है कंपनी द्वारा टेस्ट हुई है या नही की जानकारी उपलब्ध नही कराया गया है। इसके अतिरिक्त विशाल ओवर बजतडि में तडित चालक कही पर भी नही लगाया गया है। जिससे आकाशीय बिजली से बडी दुर्घटना घट सकती है। उपरोक्तानुसार कमियां के अलावा निर्माण एजेसी के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष को संबंधित ठेकेदार ने अवगत कराया गया था, कि उक्त ओवर ब्रिज पर प्रकाश व्यवस्था संचालन हेतु ट्रासफार्मर को भी स्थापित कराया जावेगा।किन्तु आज दिनांक तक तत्संबंध में कोई भी कार्यवाही नही की गई है। ओर न ही आज दिनांक तक उक्त ओवर ब्रिज के प्रकाश व्यवस्था के संचालन / संधारण का कार्य नगर पालिका के द्वारा हेडओव्हर नहीं लिया गया है। प्रकाश व्यवस्था के अभाव में ओवर ब्रिज में आये दिन दुर्घटना घटित हो रही है। उपरोक्त और नियमितताओं और कमियों का पत्र नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे ने एम.पी.आर.डी.सी. भोपाल को प्रेषित करते हुए अनुरोध किया कि जामई तामिया परियोजना के अंतर्गत निर्माण एजेसी को आदेशित करे कि, वह उपरोक्तानुसार कमियों को अतिशीघ्र पूर्ण करे। जिससे होने वाली समस्याओ का निराकरण हो सके।

## सिविल डिफेंस वालेंटिर को प्राथमिक उपचार की विधि के साथ दी उपकरणों की जानकारी

**छिंदवाडा।** आपदाओं के समय क्या करे ओर क्या ना करे की जानकारी देने के लिए सिविल डिफेंस वालेंटियर का सात दिवसीय प्रशिक्षण के 6 वे दिन स्थानीय होमगार्ड परिसर मे प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित संभागीय, कमाडेंट पी सी खरे ने उपस्थित वालेंटियर को संबोधित करते हुए कहा की इस प्रशिक्षण मे शामिल वालेंटियर ग्रासरुट लेविल के लोग हो, आपदा के प्रशिक्षण मे खाली हाथ आये थे पर इन सात दिनो मे कुछ सीखकर जायेंगे जो स्वायं के जीवन के साथ समाज मे जरूरत पड़ने पर दूसरो का जीवन भी बचाने के साथ आवश्यक सेवा मे भी योगदान देने मे सहयोग देंगे वही विभिन्न आपदाओं के साथ उत्तराखंड की बाड़ ओर वेनेजुएला का भुकंप का उदाहरण से हमें कुछ सबक लेकर हर व्यक्ति को जागरूक करना होगा।

## कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हर्रई

शासकीय महाविद्यालय हर्रई में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ एस के एस यादव के मार्गदर्शन में सत्र 2026-27 का दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा समाज का महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। उन्नत और विकसित समाज की रीढ़ शिक्षा ही है। शिक्षा और शिक्षण पद्धति जीवन की ऊंचाइयों को हासिल करने में एक मददगार कड़ी भी है।

इसी उद्देश्य से नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन डॉ एल काशिया ने किया। उन्होंने बताया कि पुरातन समय से चली आ रही गुरुकुल परम्परा के अनुसार विद्यार्थी शिक्षा दीक्षा ग्रहण करते आ रहे हैं जिसमें विद्यार्थियों को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी जाती है। शासकीय महाविद्यालय हर्रई में स्थापना वर्ष 1989 से विद्यार्थियों को शिक्षित प्रशिक्षित किया जा रहा है , यहाँ से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थी विभिन्न प्रशासकीय पदों जैसे कि पुलिस, वकालत, शिक्षक, पटवारी और किसानी कर विभिन्न प्रकार की फसलें उगाकर जैसे कि रेशम उत्पादन उद्योगों की स्थापना कर धन उपार्जन कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम में उपस्थित ग्रंथपाल प्रिया छाबड़ा ने बताया कि महाविद्यालय में ग्रन्थालय की सुविधा उपलब्ध है जिसमें विद्यार्थियों को अधिक संख्या में विषयानुसार पुस्तकें उपलब्ध हो सके, साथ ही ग्रन्थालय से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को प्रति वर्ष निःशुल्क पुस्तकें एवं स्टेशनरी प्रदान की जाती है ताकि विद्यार्थियों को पढ़ने में कोई परेशानी ना हो। श्रीमती छाबड़ा ने बताया कि गत वर्षों से हर्रई एवं आसपास के क्षेत्रों जैसे कि सुरलाखापा, हड़ाई , छाताकला, मड़ई, राबरकला, बटकाखापा, भेड़ा, और अन्य हर्रई विकासखंड के आस पास के गांव से विद्यार्थी यहां पढ़ने आते है, इन छात्र छात्राओं को कॉलेज आने के लिए यातायात के साधन जैसे बस , ऑटो आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

## कायदी के ग्राम बनियाटोला में पानी को हासिल करने के लिए ग्रामीणों को भारी जद्दोजहद

**हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।** जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के ग्राम बनियाटोला में पानी को हासिल करने के लिए ग्रामीणों को भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। यहां नल जल योजना के तहत पानी की सप्लाई तो चालू है और लोगों को पानी मिल भी रहा है। लेकिन इस पानी को हासिल करने की जो प्रक्रिया है, उसने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। योजना चालू होने के बाद भी बुनियादी तालमेल की कमी के कारण आज बनियाटोला के बाशिंदे एक बड़ी मुसीबत का सामना कर रहे हैं। स्थिति यह है कि लोगों को अपने ही घरों के सामने खोदे गए कीचड़ से लबालब गड्ढों में उतरकर पीने का पानी भरना पड़ रहा है।

ग्राम बनियाटोला में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पानी की टंकी का निर्माण कर पानी की सप्लाई शुरू कर दी गई है। जिससे ग्रामीणों को पानी तो मिल रहा है, लेकिन पुरानी पाइप लाइन और कम दबाव की समस्या के कारण पानी सीधे घरों तक या ऊंचाई वाले स्थानों तक नहीं पहुँच पा रहा है। इस तकनीकी खामी का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीणों ने सड़क किनारे और अपने घरों के सामने दो से चार फीट गहरे गड्ढे खोद रखे हैं या कुछ ने पक्का गड्ढा बनवा लिया है, ताकि निचले स्तर पर आने वाले पानी को जमा किया जा सके। योजना चालू होने का जो आनंद ग्रामीणों को मिलना चाहिए था, वह इस अव्यवस्था के कारण भारी परेशानी में बदल चुका है। वर्तमान में हो रही लगातार बारिश ने इस समस्या को बेहद गंभीर और चिंताजनक बना दिया है। सड़क किनारे खोदे गए ये गहरे गड्ढे अब पूरी तरहसे बारिश के गंदे पानी और कीचड़ से भर चुके हैं। पानी आने के तय समय पर ग्रामीणों को विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को इसी कीचड़ और मलबे वाले गड्ढों के बीच उतरना पड़ता है। पंचायत द्वारा बारिश के इस मौसम में ही नई पाइप लाइन डालने का काम शुरू तो किया गया है, लेकिन वह अभी भी अधूरा है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर तीव्र आक्रोश है कि जिम्मेदार समस्या पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं और कब तक पूरा काम होगा, जिससे पानी सीधे उनके घरों के भीतर आ सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अधूरी पड़ी नई पाइपलाइन को युद्धस्तर पर पूरा कर तुरंत चालू किया जाए। ताकि ग्रामीणों को इस नारकीय स्थिति और कीचड़ भरे गड्ढों में उतरने की मजबूरी से हमेशा के लिए निजात मिल सके।

## 'गोल्डन टूलिप इंटरनेशनल स्कूल की बस जब्त, तिरोड़ी पुलिस ने शुरू की जांच'

# स्कूल बस की टक्कर से मायॅल कर्मचारी की मौत

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

तिरोड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (मॉयल) के कर्मचारी की मौत हो गई। कटेधरा से तिरोड़ी मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम बोथवा स्थित श्री विट्ठल रुक्मिणी मंदिर के पास स्कूल बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल बोलडोंगरी निवासी 49 वर्षीय हुकुमचंद पिता फकीरचंद सहारे को सरकारी अस्पताल कटंगी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी अनुसार घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे की है। गोल्डन टूलिप इंटरनेशनल स्कूल, कटेधरा की बस ने ग्राम बोलडोंगरी निवासी हुकुमचंद सहारे की बाइक को टक्कर मार दी। हुकुमचंद बाइक से तिरोड़ी मॉयल में ड्यूटी के लिए निकले थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि हुकुमचंद सड़क पर दूर जा गिरे उन्हें गंभीर चोट आई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचाया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही तिरोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के बाद तिरोड़ी पुलिस ने गोल्डन टूलिप इंटरनेशनल स्कूल की बस को जब्त कर अभिरक्षा में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में बस चालक की लापरवाही सामने आ रही है। पोस्टमार्टम के बाद दोपहर साढ़े 12 बजे शव परिजनों को सौंप दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल बसें अक्सर तेज रफ्तार में चलती हैं। सुबह बच्चों को लेने के समय चालक जल्दी के चक्कर में लापरवाही करते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्कूल बसों की गति सीमा तय करने और चालकों का नियमित प्रशिक्षण कराने की मांग की है।

## ग्राम कोपे में कक्षा 6 वीं का छात्र 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कोपे में कक्षा 6 वीं का छात्र 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें खेल खेल के दौरान पीयूष पिता दिनेश मेश्राम उम्र 12 वर्ष की मौत हो गई थी।

जानकारी अनुसार ग्राम कोपे निवासी दिनेश मेश्राम अपने परिवार के साथ रहते हैं और रोज की तरह अपने काम पर गए हुए थे। घर पर उनकी पत्नी और दोनों बेटे थे, छोटा बेटा पीयूष स्कूल से लौटने के बाद बकरियां चराने गया था। वहां से आने के बाद वह अपने भाई के साथ घर में खेल रहा था। इसी दौरान बड़ा भाई पानी पीने गया और मां बकरियों को पानी पिलाने चली गई। जब मां वापस लौटी, तो उसने देखा कि पीयूष जमीन पर अचेत अवस्था में गिरा हुआ है। परिजन आनन फानन में बालक को तत्काल शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी लेकर पहुंचे। जहाँ डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद पीयूष को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा नियमानुसार घटना की जानकारी अस्पताल तहरीर पुलिस को भेज दी गई।

## सीएमओ, इंजीनियर और कर्मचारियों पर आरोप- शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई, वार्डों में बदहाल व्यवस्था से जनता परेशान

# लांजी नगर परिषद में मनमानी चरम पर, घटिया निमाज़्ण और लापरवाही से भड़के पार्षद

### घटिया निर्माण कार्यों ने खोली नगर परिषद की कार्यप्रणाली की पोल

**हरिभूमि न्यूज लांजी।** लांजी नगर परिषद अंतर्गत कराए जा रहे निर्माण कार्यों को लेकर अब जनप्रतिनिधियों का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है। नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पार्षदों का आरोप है कि यहां सीएमओ, इंजीनियर, कर्मचारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से मनमानी तरीके से निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिनमें गुणवत्ता नाम की कोई चीज नहीं बची है। शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद एवं सभापति विजय गोस्वामी ने नगर परिषद की कार्यशैली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनके वार्ड में उमरे कंस्ट्रक्शन द्वारा पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य कराया गया, जो पूरी तरह घटिया स्तर का है। नियमानुसार एक फीट खुदाई कर चार इंच मुरूम डालना था, लेकिन न तो सही खुदाई हुई और न ही मुरूम डाला गया। इतना ही नहीं, पेवर ब्लॉक दबाने के लिए आवश्यक मशीन भी नहीं चलाई गई। नतीजा यह रहा कि पहली ही बारिश में कई स्थानों पर पेवर ब्लॉक धंस गए और गड्ढे बन गए।

सभापति विजय गोस्वामी ने बताया कि उन्होंने इस गंभीर लापरवाही की जानकारी इंजीनियर अमित नगपुरे सहित संबंधित कर्मचारियों को कई बार दी। अधिकारी मौके पर पहुंचे, निरीक्षण किया, फोटो लिए, लेकिन उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विजय गोस्वामी का आरोप है कि सीएमओ से लेकर इंजीनियर और कर्मचारियों तक को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई करना उचित नहीं समझा। उन्होंने बताया कि चमारोबड़ी के सामने नाली निर्माण कार्य भी वर्षों से अधूरा पड़ा है। लगभग तीन वर्ष पहले शुरू हुआ यह निर्माण आज तक पूरा नहीं हुआ। नाली खुली होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन नगर परिषद को जनता की सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं दिख रहा।

वार्ड क्रमांक 10 के तेली मोहल्ला में लंबे समय से गंदा पानी जमा होने की समस्या बनी हुई है। सभापति के अनुसार इस मुद्दे को उन्होंने बैठक में जोरदार तरीके से उठाया, जिसके बाद खुदाई कार्य शुरू हुआ। लेकिन लगभग 100 फीट खुदाई के बाद काम बंद कर दिया गया। चार महीने बीत चुके हैं, बारिश आ चुकी है और अब वहां बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे हादसे का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा वार्ड में पिछले चार महीनों से दुषित और गंदे पानी की सप्लाई हो रही है। इसकी जानकारी सीएमओ, अध्यक्ष और कर्मचारियों को लगातार दी जा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। पार्षदों का आरोप है कि नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी केवल कुर्सी संभालने में व्यस्त हैं, जनता की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वहीं बरसात शुरू हो चुकी है, लेकिन नालियों की सफाई तक नहीं कराई गई। आवश्यक कार्य लंबित पड़े हैं और नगर परिषद की उदासीनता से जनता में भारी नाराजगी है। विजय गोस्वामी ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो एसडीएम और कलेक्टर से शिकायत कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। लांजी नगर परिषद की कार्यशैली अब सवालों के घेरे में है।

# पहली बारिश में बह गया विकास का दावा! कारंजा पुलिया पर धंसी सड़क, मौत को खुला न्योता

### घटिया निर्माण या विभागीय लापरवाही? पहली ही बरसात में उजागर हुई सच्चाई, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

**हरिभूमि न्यूज लांजी।** विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे करने वाले जिम्मेदार विभागों की पोल पहली ही बारिश ने खोलकर रख दी है। लांजी-आमगांव मुख्य मार्ग पर बाघ नदी स्थित कारंजा पुलिया के समीप सड़क धंसने से एक बार फिर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिया के दोनों ओर बने गहरे गड्ढे अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए मौत का खुला न्योता बन चुके हैं। क्षेत्र में मानसून की शुरुआती बारिश ने ही सड़क निर्माण की हकीकत सामने ला दी है। पुलिया के दोनों ओर सड़क तेजी से धंस रही है और लगातार बारिश के कारण कटाव बढ़ता जा रहा है। सड़क के किनारों पर बने गहरे गड्ढे किसी भी समय बड़े हादसे की वजह बन सकते हैं। सवाल यह है कि जब पहली ही बारिश में सड़क की यह हालत हो गई, तो निर्माण के दौरान गुणवत्ता की जांच आखिर किस स्तर पर की गई थी? स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में शुरू से ही लापरवाही बरती गई। गुणवत्ता की अनदेखी कर केवल औपचारिकता निभाई गई, जिसका खामियाजा अब आम जनता भुगत रही है। कारंजा पुलिया के पास सड़क धंसने की यह समस्या पहली बार सामने नहीं आई है। इससे पहले भी यही स्थिति बनी थी, लेकिन संबंधित विभाग ने केवल अस्थायी मरम्मत कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। स्थायी समाधान की ओर कोई गंभीर पहल नहीं की गई। स्थानीय निवासी पवन कश्यप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार अधिकारी हर बार मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति करते हैं। पहली बारिश में सड़क का दोबारा धंसना साफ दर्शाता है कि निर्माण कार्य में भारी लापरवाही हुई है। अब हर गुजरने वाला व्यक्ति अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर है। लांजी-आमगांव मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। पहले से ही यह मार्ग दुर्घटना संभावित माना जाता है। ऐसे में पुलिया के समीप सड़क धंसने से लोगों में भारी आक्रोश है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल निरीक्षण कर सड़क की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। साथ ही निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग भी जोर पकड़ रही है।

## खबर संक्षेप

### शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में 6 जुलाई को संस्था स्तरीय काउंसलिंग

**हरिभूमि न्यूज सिवनी।** शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सिवनी में संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संस्था स्तरीय काउंसलिंग (सीएलसी) का आयोजन 6 जुलाई 2026 को किया जाएगा। 10वीं उत्तीर्ण एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी सीएलसी का ऑनलाइन पंजीयन कराने के उपरांत निर्धारित तिथि को प्रातः 10:30 बजे से अपरान्ह 1:00 बजे तक आवश्यक मूल दस्तावेजों सहित महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय द्वारा बताया गया है कि 6 जुलाई के बाद रिक्त रहने वाली सीटों पर प्रवेश के लिए 6 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को संस्था स्तरीय काउंसलिंग आयोजित की जाएगी।
प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 9329937239 एवं 6260272805 पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

### नवागत जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित का मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने स्वागत किया गया

**सिवनी।** नवागत जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित का मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व इंडियन कॉफी हाउस में हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर विजय शुक्ला जिला अध्यक्ष अविनाश पाठक सचिव संतोष सूर्यवंशी कोषाध्यक्ष श्री पटेल संगठन मंत्री अनिल शर्मा विनोद त्रिवेदी एवं संगठन के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### विधायक दिनेश राय मुनमुन ने किया सांसद बंटी साहू की मैहर पदयात्रा का सिवनी सीमा पर भव्य स्वागत

**सिवनी।** शुक्रवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा छिंदवाड़ा से मैहर धाम तक की जा रही पवित्र पदयात्रा का सिवनी विधानसभा क्षेत्र आगमन पर भव्य स्वागत किया। आज भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सिवनी विधानसभा क्षेत्र की सीमा पर स्थित श्री सिद्ध हनुमान दादा की नगरी ग्राम जाम पहुंचकर छिंदवाड़ा से मैहर धाम तक की जा रही पवित्र पदयात्रा की आगवानी किया। तथा सांसद विवेक बंटी साहू का भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के साथ फूल माला पहनाकर आत्मीय स्वागत और शाल, श्रीफल भेंटकर सम्मान अभिनंदन किया। इस दौरान विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मैहर वाली माता से श्री साहू की पवित्र पदयात्रा के निर्विघ्न सम्पन्न होने की प्रार्थना किया। साथ ही आपने मां शारदा से समूचे क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना भी किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे क्षेत्रीय जन और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# सी एम मोहन यादव को लिखा पत्रः सारा ऐप के गलत सर्वे से पीएमएवाय 2.0 से वंचित हो रहे सैकड़ों पात्र हितग्राही

छपारा,- नगर परिषद छपारा की सभापति शिवनीता जितेन्द्र सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर नगरीय निकाय क्षेत्र में राजस्व अभिलेखों की तकनीकी विसंगतियों का मुद्दा उठाया है। पत्र में बताया गया है कि त्रुटिपूर्ण सर्वे और नक्शे में सुधार न होने से प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के सैकड़ों पात्र हितग्राही लाभ से वंचित हो रहे हैं।

पत्र में उठाए गए 3 मुख्य मुद्दे. नक्शा संधारण न होनाः खसरा नंबर 306/2 एवं 306/3 नक्शा शीट में संधारित नहीं हैं। इसके कारण पात्र हितग्राहियों के भूखंडों का एवं चतुर्सीमा का मिलान नहीं हो पा रहा। जबकि 306/2 को 1989-90 से 1993-94 में और 306/1 को 1994-95 से 1998-99 में आबादी घोषित किया जा चुका था। घास मद में दर्ज होना खसरा नंबर 966/2, 953/1, 966/1, 971/1, 966/5, 970 वर्तमान में घास मद्द यानी सरकारी भूमि में दर्ज हैं।
जांच दल ने इन्हें असत्यापित कर खारिज श्रेणी में डाल दिया है, जबकि यहाँ दशकों से आबादी निवास कर रही है।सारा ऐप से त्रुटिपूर्ण डिजिटल सर्वे अनेक पात्र हितग्राही 30-40 वर्षों से शासकीय प्रचलित अवधिमद भूमि पर काबिज हैं। नियमानुसार इन्हें भू-अधिकार पत्र दिया जाना था। लेकिन सर्वेक्षण दल ने पुराने बंदोबस्त और मिसल रिकॉर्ड से मिलान किए बिना ही सीधे सारा ऐप से सर्वे कर दिया। इससे वास्तविक पात्र हितग्राही योजना से बाहर हो गए।

### सभी दस्तावेज देने के बाद भी लाभ नहीं

पत्र में उल्लेख है कि हितग्राहियों ने PMAY 2.0 में आवेदन के साथ रसीद, बिजली बिल, नल टैक्स की रसीद जैसे सभी प्रमाणित दस्तावेज जमा किए थे। फिर भी स्थानीय स्तर पर राजस्व अभिलेखों की विसंगतियों के कारण उन्हें अपात्र कर दिया गया।

### सभापति की मांग

दिनांक 1/7/2026 को लिखे इस पत्र में मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप कर भू-अभिलेख व नक्शा सुधार के निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि छपारा के गरीब व पात्र परिवारों को पी एम ए वाय 2.0 का लाभ मिल सके।

# दुकान के बाहर खड़ी हीरो स्प्लेंडर बाइक चोरी

**सिवनी।** कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत किदवई वार्ड में बाइक चोरी की एक वारदात सामने आई है। छिंदवाड़ा चौक स्थित भार्गव कॉम्प्लेक्स में दुकान के बाहर खड़ी एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। घटना के बाद क्षेत्र में हडक़ंप मच गया है। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, किदवई वार्ड स्थित फिल्टर चौक निवासी अभिषेक राजपूत की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-22 एमजे-6204 को उनके चाचा धनेश ठाकुर ने 30 जून 2026 की शाम लगभग 6:05 बजे छिंदवाड़ा चौक स्थित भार्गव कॉम्प्लेक्स में संचालित अंजली यूके डिपो दुकान के सामने खड़ा किया था। इसके बाद वे आवश्यक कार्य से दुकान के अंदर चले गए।बताया गया है कि रात करीब 8 बजे जब धनेश ठाकुर दुकान से बाहर निकले और घर जाने के लिए अपनी मोटरसाइकिल के पास पहुंचे, तो वाहन निर्धारित स्थान पर नहीं मिला। पहले उन्हें लगा कि शायद किसी परिचित ने वाहन हटाया होगा, लेकिन आसपास तलाश करने पर भी मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद उन्होंने तत्काल अभिषेक राजपूत को घटना की जानकारी दी।घटना की सूचना मिलते ही अभिषेक राजपूत भी मौके पर पहुंचे और दोनों ने आसपास के क्षेत्र, पार्किंग स्थलों तथा परिचित लोगों से संपर्क कर बाइक की तलाश की।

# यूनिवर्सल कंप्यूटर अकादमी में एम.एससी. विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

**माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध यूनिवर्सल कंप्यूटर अकादमी (यूसीए), सिवनी में शुक्रवार को एम.एससी. (चतुर्थ सेमेस्टर) के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

कार्यक्रम में अकादमी प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर जूनियर विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अकादमी प्रबंधन ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त करने, अपने ज्ञान और कौशल का सदुपयोग करने तथा संस्थान का नाम रोशन करने का संदेश दिया।
विदाई समारोह हर्षोल्लास और भावुक माहौल के बीच संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने संस्थान में बिताए गए यादगार पलों को साझा किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।
इस अवसर पर यूनिवर्सल कंप्यूटर अकादमी प्रबंधन ने जुलाई 2026 सत्र के लिए बीसीए (BCA), डीसीए (DCA), पीजीडीसीए (PGDCA) एवं एम.एससी. (M.Sc.) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ होने की जानकारी भी दी।

# जर्जर हालत में टंकी कभी भी हो सकती है धराशाही

**छपारा - नगर के फिल्टर प्लांट परिसर में स्थित लगभग चालीस साल पुरानी पानी की टंकी अपनी जर्जर अवस्था के चलते विगत कुछ वर्षों से धीरे धीरे टूटकर गिर रही हैं,जिसको नगर परिषद द्वारा डिस्मेंटल क्यों नहीं किया जा रहा समझ से परे है।**

ज्ञात हो कि एक समय संपूर्ण नगर में पीएचई कार्यालय परिसर फिल्टर प्लांट स्थित पानी की टंकी से पेयजल सप्लाई होता था किंतु लगभग चालीस से पैतालीस साल पहले निर्मित पानी की टंकी अब जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी, वहीं समय समय पर टंकी के ऊपरी हिस्से गिरने लगे हैं उसमें चढ़ने वाली लोहे की सीढ़ी भी विगत दो वर्ष पहले अचानक भर-भराकर नीचे गिर गई थी गनीमत यह रही कि उस समय कोई भी कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं थे जिससे किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई थी। वर्तमान समय में जर्जर स्थिति में पहुंच चुकी है जिसे लेकर आसपास के वार्ड वासियों ने टंकी को डिस्मेंटल करने एवं नई टंकी बनाने को लेकर मांग की जाती रही है किंतु जिम्मेदारों के द्वारा ध्यान ना देना समझ से परे है।

वही पूर्व सीएमओ के द्वारा जानकारी दी गई थी कि उक्त टंकी को डिस्मेंटल करने और नई टंकी निर्माण के लिए वरिष्ठ कार्यालय को पत्राचार भी किया गया था।
किंतु इन दो वर्षों में स्थिति जस की तस है, साथ ही मौजूदा समय में उक्त जर्जर टंकी जानलेवा साबित हो रही है जिसका हिस्से टूट टूट कर भी गिर रहे है। वहीं बरसात के इस मौसम में उक्त जर्जर क्षतिग्रस्त टंकी के पूरी तरह धराशाही होने की प्रबल संभावना बनी हुई है।

### शासकीय भूमि पर स्थित एकमात्र चौपाटी पर पानी टंकी बनाने अड़ी परिषद

नगर के निर्माणाधीन नगर परिषद कार्यालय के पीछे और जनपद कार्यालय के पास स्थित अस्थाई चौपाटी जिसको नगर परिषद द्वारा ही शुरू करवाया गया था किंतु अब उस स्थान पर नगर परिषद के द्वारा ही अमृत 02 योजना से पेयजल सप्लाई हेतु नई टंकी बनाने हेतु कवायद बार बार की जा रही है, जबकि वहीं इस स्थान से कुछ सौ मीटर की दूरी पर उक्त जर्जर पानी की टंकी स्थित है जिसको डिस्मेंटल कर नवीन पानी की टंकी बन सकती हैं, किंतु संबंधित ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के चक्कर में सहित समय की बचत को देखते हुए उक्त चौपाटी की भूमि पर टंकी बनाने पर अड़ी हुई है नगर परिषद।
वहीं यदि इस स्थान पर व्यवस्थित चौपाटी बनती हैं तो लोगों को रोजगार के साथ नगर वासियों को भी घूमने का स्थान मिल जाएगा। वैसे ही नगर में शासकीय भूमि वह भी कम बची हुई है और ऐसे स्थान पर पानी टंकी बना कर उसकी उपयोगिता कम करना समझ से परे है। जनहित में ऐसे स्थान पर व्यवस्थित चौपाटी बनाकर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की मांग लोगों ने की है।

# देवरी कला मोक्षधाम का रास्ता कीचड़ में तब्दील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

छपारा विकासखंड के ग्राम देवरी कला में बारिश के कारण मोक्षधाम तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है। गांव से मोक्षधाम को जोडऩे वाला करीब 1 से 1.5 किलोमीटर लंबा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया है। यहां से शवयात्रा निकालना मुश्किल हो गया है। इस मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से पूरा रास्ता दलदल का रूप ले चुका है। फिसलन भरे इस रास्ते से गुजरना अत्यंत जोखिम भरा हो गया है।

### शव वाहन भी अक्सर कीचड़ में फंस जाते

ग्रामीणों को किसी की मौत होने पर शव को कंधे पर उठाकर इस कीचड़ भरे और फिसलन वाले रास्ते से ले जाना पड़ता है। शव वाहन भी अक्सर फंस जाते हैं या बीच रास्ते से ही वापस लौट जाते हैं, जिससे लोगों को पैदल ही शव मोक्षधाम तक पहुंचाना पड़ता है। दोपहिया वाहनों का संचालन भी जोखिम भरा हो गया है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।
ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या हर साल बरसात के मौसम में उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार इस बारे में अवगत कराया गया है, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार, मोक्षधाम मार्ग केवल एक सडक़ नहीं, बल्कि अंतिम यात्रा का सम्मानजनक रास्ता है।

### मार्ग का निर्माण या मरम्मत कराने की मांग

ग्राम के हेमंत पंचेश्वर सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल इस मार्ग का निर्माण या मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य के दौरान ऐसी परेशानी का सामना करना दुर्भाग्यपूर्ण है और यदि समय रहते सडक़ नहीं बनी, तो बरसात के मौसम में समस्या बनी रहेगी।

# धनौरा थाना पुलिस के द्वारा वान न्यूमान पब्लिक स्कूल में पढ़ाया गया सेफ क्लिक का पाठ

पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश एवं सिवनी पुलिस अधीक्षक कृष्णलाल चंदानी के निर्देशन में दिनांक 24 जून 2026 से 08 जुलाई 2026 तक चलाया जा रहा है जिसके तारतम्य में 03 जुलाई 2029 को थाना धनोरा के थाना प्रभारी मनीष बंसोड के द्वारा सेफ क्लिक साइबर सुरक्षा अभियान का शुभारंभ किया गया थाना प्रभारी के द्वारा वान न्यूमान पब्लिक स्कूल एवं मंदिरों में जाकर सैफ क्लिक साइबर से होने वाली ठगी के बारे में बताया गया है ओर उससे कैसे बचे इस बारे थाना प्रभारी के द्वारा सुझाव दिया गया है धनोरा थाना प्रभारी मनीष बंसोड, ए एस आई सुनील मरावी, प्रधान आरक्षक दशरथ धुर्वे, आरक्षक सुशील नेताम, भास्कर सरवैया, मनीषा डोंगरे चालक दीपक आमले, बम्होडी कोटवार मनीष झरिया के द्वारा साइबर से होने वाले अपराध को समझाया गया ओर उनसे बचने के लिए सुझाव भी दिया गया है।

### सेफ क्लिक के आसान तरीके

1. कभी किसी को ओटीपी न बताए, ओटीपी आपके बैंक ओर ऑनलाइन खातों की चाबी की तरह होता है।
2. अनजान लिंक पर क्लिक न करे, लॉटरी, फ्री मोबाइल,फ्री रिचार्ज, के लालच में कभी लिंक पर क्लिक न करें। 3. मजबूत पासवर्ड बनाएं, पासवर्ड ऐसा रखें जिसे कोई आसानी से ना समझ सके 4. सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा ना करें, अपना पता, मोबाइल नंबर, स्कूल, परिवार, बैंक, जानकारी या लाइव लोकेशन शेयर ना करें। 5. ऑनलाइन दोस्ती में सावधानी रखें, कोई आपकी उम्र का बनकर दोस्ती करें लेकिन वास्तव में कोई और हो सकता है। 6. साइबर बुलिंग, किसी को ऑनलाइन गाली देना डरना मजाक उड़ाना या गलत फोटो वीडियो शेयर करना अपराध। 7. गेम खेलते समय सावधानी फ्री स्किन फ्री डायमंड या फ्री रिचार्ज के लालच में अपनी आईडी या पासवर्ड ओटीपी किसी को ना दें

**8. धोखाधड़ी हो जाए तो क्या करें,**
1. घबराएं नहीं 2. तुरंत माता-पिता या शिक्षक को बताएं 3. जरूरत पडऩे पर पुलिस की मदद लें 4. साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत शिकायत करें।

# 9 जुलाई को होगा भूतपूर्व सैनिकों का मासिक सैनिक सम्मेलन

**हरिभूमि न्यूज सिवनी।** जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सिवनी द्वारा जिले के समस्त भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों (विधवाओं) एवं उनके आश्रितों के लिए मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन 09 जुलाई 2026 को प्रातः 11:30 बजे जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अकबर वार्ड, सिवनी में किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अमरेन्द्र कुमार दास ने जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं आश्रितों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है। सम्मेलन में उपस्थित हितग्राही अपनी समस्याओं एवं प्रकरणों पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से सीधे चर्चा कर समाधान एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे।

# कांग्रेस शुरू किया मौन सत्याग्रह

**हरिभूमि न्यूज सिवनी।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उनके परिवार से जुडे.भूमि घोटाले प्रकरण के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में 3 दिन का मौन सत्याग्रह रखे जाने का निर्देश दिया गया है उसी तारतम्य में दिनांक 3 जुलाई 2026 को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन के प्रांगढ़ में पूज्य बापू महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थल के सामने जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा मौन सत्याग्रह आयोजित किया गया।

मौन सत्याग्रह में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना, जिला संगठन महासचिव हनीफ अंसारी, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजा बघेल, एड़ पंकज शर्मा, ठा. जयकेशसिंह पटेल, ब्रजेशसिंह बघेल, जेपीएस तिवारी, मोहनसिंह चंदेल, विष्णु करोसिया, अतुलचंद मालू, आजम दीवान अली, तनवीर अहमद, राजिक अकील, यशपाल भलावी, अशोक नरवेती, दुपेन्द्र अमूले, उदयसिंह बघेल, आदित्य मोन्टू भूरा, विनोद यादव, नितिन डहेरिया, लोकेश ठाकुर, ठा. जयप्रकाशसिंह परिहार, डालचंद पप्पू पुसाम, सतेन्द्र बघेल, नेपालसिंह उइके, अदनान खान सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन की उपस्थिति रही।

# डी पी चतुर्वेदी महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित दीक्षारंभ समारोह में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, उपलब्ध सुविधाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा छात्र हितैषी योजनाओं से परिचित कराना रहा। यह आयोजन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हुआ।
समारोह के मुख्य अतिथि एवं संस्था संचालक डॉ. के. के. चतुर्वेदी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम, नैतिक मूल्यों एवं उत्कृष्ट शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है।
इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अमिता चतुर्वेदी ने सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, विभिन्न गतिविधियों, छात्रवृत्ति योजनाओं, एनएसएस, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा रोजगारोन्मुखी अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, सकारात्मक सोच और महाविद्यालय की सभी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया।
कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी ), एंटी-रैगिंग नियम, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी भी प्रदान की गई। समारोह के अंत में सभी विद्यार्थियों ने महाविद्यालय की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय परिवार के सहयोग से संपन्न हुआ तथा सभी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

### पूर्व मंत्री के खसम खास भुनेश्वर रजक परतापुर सरपंच राजेश सिरसाम, राकेश दामाहे गिरफ्तार, प्लांट को 4-5 करोड़ का नुकसान

# भाजपा नेताओं के हौसले बुलंद, गब्बर सिंह टैक्स नहीं मिला तो फूँक दी सरकारी संपत्ति

सरपंच

जनपद सदस्य

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में सिंचाई परियोजना के एक प्लांट में आग लगाने के आरोप में भाजपा नेता भुवनेश्वर रजक, परतापुर सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे को गिरफ्तार किया गया है। इन पर प्लांट प्रबंधन से 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और इनकार करने पर प्लांट में आग लगाने का आरोप है। इस घटना से प्लांट को करीब 4 से 5 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। लामता पुलिस के अनुसार, यह घटना बीते 1 जुलाई को हुई थी। आरोपी जनपद पंचायत सदस्य भुवनेश्वर रजक, सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे एक कार से प्लांट पहुंचे थे। यहां भुवनेश्वर रजक ने अपने और सरपंच के लिए 5-5 लाख रुपए की मांग की। जब प्लांट प्रबंधन ने यह राशि देने से इनकार कर दिया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज की और प्लांट में आग लगा दी।

आगजनी में प्लांट में रखी मशीनरी, पाइप, तीन लोहे के कंटेनर में रखा ओएमएस मटेरियल, स्काडा मटेरियल, पेनल और एचडीपीई पाइप सहित अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई। लामता थाना प्रभारी छत्रपालसिंह बैस ने बताया कि शिकायत के बाद तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और मामले की जांच चल रही है।

यह माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में स्वीकृत की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाना था। परियोजना के लिए पहले 146 करोड़ रुपए और बाद में संशोधित कर 175 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत स्वीकृत की गई थी। इस परियोजना से लगभग 55 गांवों के करीब 12 हजार किसानों को सिंचाई सुविधा मिलनी थी। प्लांट में आगजनी के कारण अब इस योजना की गति धीमी पड़ने से किसानों को नुकसान होने की आशंका है।

### कांग्रेस ने प्रेसवार्ता कर प्रदेश सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

## खाद के बड़े दामों को लेकर किसानों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिला कांग्रेस कमेटी ने नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी, खाद की बढ़ती कीमतों से किसानों की परेशानी और मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े लोगों द्वारा जमीन खरीद के मामलों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करने की घोषणा की है। यह जानकारी शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में दी।

दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार और संबंधित रियल एस्टेट कंपनियों ने उज्जैन में 168 एकड़ जमीन खरीदी। यह खरीद उन इलाकों में की गई जहां सरकार द्वारा नई सड़क परियोजनाएं या भूमि उपयोग में बदलाव प्रस्तावित थे, जिससे संपत्ति के दाम काफी बढ़ गए।

इस मुद्दे पर प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस जमीन सौदे में करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से न्यायिक जांच की मांग की है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष और विधायक संजय उईके ने कहा कि यह एक बड़ा सवाल है कि मुख्यमंत्री रहते हुए डॉ. मोहन यादव और उनके परिवार तथा उनसे जुड़े लोगों ने उन्हीं स्थानों पर जमीन कैसे खरीदी, जहां सड़क परियोजनाएं या भूमि उपयोग में बदलाव होने वाले थे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस इस मामले से जुड़ी और जानकारी जुटा रही है, जिसे चरणबद्ध आंदोलन के माध्यम से जनता के सामने रखा जाएगा।

उईके ने यह भी बताया कि नीट परीक्षा के पेपर रद्द होने को देश के लाखों छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ मानते हुए कांग्रेस आगामी दिनों में 'छात्रों की गूंज' नामक कार्यक्रम के तहत नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों से संवाद करेगी,

उनकी समस्याओं को समझा जा सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने फसल से पहले खाद के बढ़े दाम और ई-टोकन से खाद वितरण प्रणाली को गलत बताते हुए कहा कि कांग्रेस इन सभी मुद्दों पर चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

राममंदिर में दान चोरी मामले को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने इसे हिन्दुओं की भगवान राम पर आस्था पर हमला बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के मुख्यालयो में जो करोड़ो रूपए के कार्यालय बने है, वह राममंदिर के दान से ही बने है। उन्होंने बताया कि यह चिंतनीय है कि भगवान राम के नाम से हिन्दुओं के वोट हासिल करने वाली भाजपा के प्रधानमंत्री, राममंदिर मामले में चुप है। जिसे जनता, अब समझ रही है।

## हर घर तक पहुंचा शुद्ध जल, बदली भेंडारा की तस्वीर

### जल जीवन मिशन ने खत्म की पानी की परेशानी, महिलाओं को मिली राहत और बच्चों को मिला बेहतर भविष्य

**हरिभूमि न्यूज बालाघाट।** जल है तो कल है—यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि ग्राम भेंडारा के लोगों के जीवन में साकार हुई एक नई हकीकत है। कभी ऐसा समय था जब इस गांव के लोगों की सुबह पानी की तलाश से शुरू होती थी। विशेषकर महिलाओं और बच्चों को कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता था। रोजाना घंटों की मेहनत के बावजूद शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाती थी। इसका असर न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ता था, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और महिलाओं के दैनिक जीवन पर भी साफ दिखाई देता था।ग्राम पंचायत भेंडारा, विकासखंड खैरलांजी के इस गांव में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान जल जीवन मिशन के माध्यम से संभव हुआ। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट द्वारा 2 दिसंबर 2020 को नल-जल प्रदाय योजना का कार्य शुरू किया गया। लगभग 97.46 लाख रुपये की लागत से उच्च स्तरीय जलाशय (ओवरहेड टैंक) और सम्पवेल का निर्माण कराया गया। निर्धारित समय में कार्य पूरा करते हुए 5 मार्च 2022 को योजना का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया गया।आज इस योजना का लाभ गांव के 1066 परिवारों को मिल रहा है। हर घर तक नल के माध्यम से नियमित और स्वच्छ पेयजल पहुंचने से ग्रामीणों की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। अब महिलाओं को पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। बचा हुआ समय वे परिवार और अन्य उत्पादक कार्यों में लगा रही हैं। वहीं बच्चों को भी पानी लाने की जिम्मेदारी से मुक्ति मिली है, जिससे उनकी पढ़ाई नियमित हो गई है।

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से गांव में जलजनित बीमारियों में भी उल्लेखनीय कमी आई है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले दूषित पानी के कारण अक्सर बीमारियां फैलती थीं, लेकिन अब शुद्ध पेयजल मिलने से स्वास्थ्य में सुधार महसूस किया जा रहा है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति लोगों की जागरूकता भी बढ़ी है। गांव के लोगों का मानना है कि जल जीवन मिशन ने केवल नल से पानी ही नहीं पहुंचाया, बल्कि उनके जीवन में सम्मान, सुविधा और आत्मविश्वास भी लौटाया है। जिस गांव में कभी पानी के लिए संघर्ष रोजमर्रा की बात थी, वहां आज हर घर में सहज रूप से स्वच्छ जल उपलब्ध है।

### बाढ़ के बीच देवदूत बनी हाकफोर्स, पुलिस एसडीआरएफ की टीम

## खेती करने गये भानपुर गये 16 ग्रामीणों का सुरक्षित रेस्क्यू

### देव नदी में अचानक बढ़ा जलस्तर, पुलिस, एसडीआरएफ और हॉक फोर्स की तत्परता से टला बड़ा हादसा

**हरिभूमि न्यूज बालाघाट।** जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच जिला प्रशासन की तत्परता से किरनापुर तहसील में पुलिस, एसडीआरएफ और हॉक फोर्स की मुस्तैदी ने एक बड़ा हादसा टाल दिया। देव नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से दूसरी ओर फंसे 16 ग्रामीणों को संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।किरनापुर तहसील के गोदरी चौकी अंतर्गत ग्राम भगतपुर के 16 ग्रामीण शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर से देव नदी पार कर ग्राम भानपुर धान की खेती के कार्य के लिए पहुंचे थे। भानपुर में भले ही कुछ ही परिवार निवास करते हैं, लेकिन आसपास के ग्रामीणों की खेती वहां स्थित है। सुबह नदी का जलस्तर सामान्य होने के कारण ग्रामीण आसानी से नदी पार कर गए थे, लेकिन रातभर हुई भारी बारिश के बाद देव नदी उफान पर आ गई और सभी ग्रामीण दूसरी ओर फंस गए।घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने तत्काल एसडीएम श्री गोपाल सोनी को पुलिस, होमगार्ड और एसडीआरएफ के साथ राहत एवं बचाव अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। इसके बाद थाना किरनापुर एवं हट्टा पुलिस ने एसडीआरएफ तथा हॉक फोर्स गोदरी के साथ संयुक्त अभियान चलाया। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू टीम ने साहस, सूझबूझ और बेहतर समन्वय का परिचय देते हुए सभी 16 ग्रामीणों तक पहुंच बनाई। अभियान के दौरान सभी ग्रामीणों को सुरक्षित निकालकर सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। समय पर हुई कार्रवाई के चलते किसी प्रकार की जनहानि या अप्रिय घटना नहीं हुई।जिला प्रशासन ने इस घटना के बाद नागरिकों से अपील की है कि वर्षाकाल में खेतों में जाने से पहले मौसम और नदी-नालों के जलस्तर की जानकारी अवश्य लें। तेज बारिश के दौरान नदी, नाले, पुल-पुलियों अथवा जलमग्न मार्गों को पार करने का प्रयास न करें। प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति में जलमग्न पुल-पुलियों पर बैरिकेडिंग कर आवागमन रोकने की व्यवस्था की जा रही है। आमजन से भी इस व्यवस्था में सहयोग करने और अपनी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया है। प्रशासन ने कहा है कि जीवन अनमोल है। थोड़ी सी सावधानी बड़े हादसों को टाल सकती है, इसलिए बारिश के मौसम में किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें।

## सर्पदंश से 13 वर्षीय छात्रा की मौत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बिरसा क्षेत्र में सर्पदंश से सातवीं कक्षा की छात्रा दामिनी सहारे (13) की मौत हो गई। शुक्रवार को जिला अस्पताल में उसका पोस्टमार्टम कराया गया। अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंप दिया।

दामिनी के पिता गौतम सहारे ने बताया कि उनकी बेटी आम चुनने गई थी, तभी उसे सांप ने काट लिया। दामिनी चिल्लाते हुए घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी।

परिवार तुरंत उसे गांव के सरकारी अस्पताल ले गया, लेकिन वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। नर्स ने उन्हें बिरसा अस्पताल रेफर कर दिया। बिरसा अस्पताल पहुंचने तक दामिनी बेहोश हो चुकी थी। परिजनों को वहां एंबुलेंस नहीं मिली, जिसके बाद वे उसे बाइक से बिरसा

अस्पताल ले गए। बिरसा अस्पताल में ऑक्सीजन की सुविधा न होने के कारण उसे बालाघाट रेफर कर दिया गया। बालाघाट पहुंचते-पहुंचते दामिनी ने दम तोड़ दिया।

परिजनों का कहना है कि यदि समय पर दामिनी को एंटी-स्नेक वेनम और एंबुलेंस व ऑक्सीजन जैसी सुविधाएं मिल जातीं, तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया कि इस मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर डायरी संबंधित थाना क्षेत्र को भेजी जा रही है, जहां आगे की जांच की जाएगी।

### किसान संगठनों ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

## खाद, पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि का विरोध

**हरिभूमि न्यूज कटंगी।** खाद, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से नाराज किसान संगठन किसान गर्जना संगठन और राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने गुरुवार 3 जुलाई को कटंगी में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम के.सी.ठाकुर और तहसीलदार पी.एल.साडिया को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि खाद के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस नहीं लिए गए तो पूरे प्रदेश में चरणबद्ध जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री को भी भेजी गई है। किसान गर्जना संगठन दोपहर साढ़े 03 बस स्टैंड में वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने बढ़े हुए दामों में विरोध जताया। संगठन ने ज्ञापन में कहा कि सरकार एक ओर किसानों की आय दोगुनी करने के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं खाद, बीज, डीजल, बिजली और कृषि उपकरणों की लगातार बढ़ती कीमतों ने खेती को घाटे का सौदा बना दिया है। आज किसान कर्ज में डूबा है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। ऐसे में खाद के दाम बढ़ाकर सरकार ने किसानों की कमर तोड़ दी है। सांकेतिक प्रदर्शन के बाद किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने किसानों के साथ नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इसके पहले राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। किसान संगठनों ने सरकार को आगाह किया कि यदि न्यायोचित मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो पूरे प्रदेश में व्यापक जन आंदोलन शुरू होगा। किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों ने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान किसानों ने खाद के दाम वापस लो, किसान एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। संगठन के जिला अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा, यह अपेक्षा नहीं, किसानों के हित में तत्काल निर्णय की मांग है। खाद के बढ़े दाम अविलंब वापस लिए जाएं, अन्यथा प्रदेश का किसान लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर अधिकारों की लड़ाई लड़ने को मजबूर होगा। इस दौरान भरत लाल बिसेन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने एसडीएम को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। महासंघ ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को किसान विरोधी बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की है। संगठन ने गुरुवार 3 जुलाई को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटंगी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। महासंघ ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो किसान सत्याग्रही तरीके से बड़ा जनआंदोलन करेंगे। ज्ञापन में कहा गया कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ है। अमेरिका से आयातित कृषि उत्पादों से घरेलू बाजार पूरी तरह प्रभावित होगा। देश में कृषि व्यवसाय पहले से ही घाटे का सौदा है। ऐसे में यह समझौता किसानों के लिए मौत का फरमान साबित होगा। महासंघ ने विदेश से आयातित दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर भी आपत्ति जताई। संगठन का कहना है कि इनमें मांसाहारी गुणवत्ता का असर हो सकता है जो शिशुओं सहित आम लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालेगा। साथ ही यह देश के सांस्कृतिक परिवेश और सनातन धर्म के लिए हानिकारक होगा। ट्रेड डील को भारतीय समाज की धार्मिक आस्था नष्ट करने वाला बताया गया।

महासंघ ने खाद वितरण प्रणाली पर उठाए सवाल है। पदाधिकारियों ने कहा कि मध्य प्रदेश की मौजूदा रासायनिक उर्वरक वितरण प्रणाली को किसानों के लिए घातक है। फार्मर आईडी और टोकन सिस्टम से कई किसान खाद से वंचित रह जाएंगे। महासंघ ने छत्तीसगढ़ राज्य की तर्ज पर खाद वितरण प्रणाली को पूर्ववत और सरल करने की मांग की। वहीं जिला स्तर पर किस डीलर के पास कितना उर्वरक है, इसकी जानकारी जिला प्रशासन पारदर्शी तरीके से सार्वजनिक करे।

## बालाघाट वन विभाग और डॉक्टरों की तत्परता से बची घायल नर चीतल की जान, हुआ सफल ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

**जिला पशु चिकित्सालय, बालाघाट में डॉक्टरों की टीम ने एक बार फिर वन्यजीव संरक्षण की मिसाल पेश की है। यहाँ गंभीर रूप से घायल एक नर चीतल का सफल आपातकालीन ऑपरेशन (इमरजेंसी सर्जरी) कर उसकी जान बचाई गई है।**

### नाजुक थी चीतल की स्थिति

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब घायल चीतल को चिकित्सालय लाया गया, तब उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी। चीतल का निचला जबड़ा पूरी तरह से फ्रैक्चर हो गया था और उसका एक सींग (एंटलर) भी जड़ से टूट चुका था। गंभीर चोटों के कारण अत्यधिक रक्तस्राव (ब्लीडिंग) हो रहा था, जिससे उसका बचना मुश्किल लग रहा था।

### एक घंटे चली जटिल सर्जरी

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. बादल पटले और उनकी सहयोगी डॉ. पूजा धुर्वे ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत मोर्चा संभाला। दोनों डॉक्टरों ने मिलकर करीब १ घंटे तक जटिल आपातकालीन शल्य चिकित्सा की। इस ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने टूटे हुए जबड़े को सफलतापूर्वक स्थिर किया। सींग के आधार पर लगी गंभीर चोट का उपचार किया और रक्तस्राव को नियंत्रित कर सभी आवश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएं पूरी कीं।

### डॉक्टरों की निगरानी में है चीतल

सफल सर्जरी के बाद चीतल को डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है। उसे दर्द निवारक (पेनकिलर्स), एंटीबायोटिक और अन्य जरूरी दवाएं दी गई हैं। डॉक्टरों का कहना है कि चीतल की स्थिति में अब पहले से काफी सुधार है और उसकी निरंतर निगरानी की जा रही है। ₹वन्यजीवों के मामलों में सही समय पर इलाज मिलना ही उनकी जान बचा सकता है। यह सफल ऑपरेशन वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग के बेहतरीन तालमेल और वन्यजीव संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी कोई घायल या संकटग्रस्त वन्यजीव दिखाई दे, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें। समय पर मिली जानकारी से किसी भी मूक प्राणी का समय रहते उपचार और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है।

## बालाघाट में 4 से 6-7 जुलाई तक भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी

**बालाघाट।** भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 4 से 6-7 जुलाई 2026 के दौरान भारी बादलों के साथ भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में बिजली गिरने, आंधी-तूफान तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई गई है।जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में जिले का अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22 से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सुबह के समय वायुमंडल में 95 से 99 प्रतिशत तथा दोपहर में 80 से 82 प्रतिशत तक आर्द्रता रहने का अनुमान है। वहीं आगामी दिनों में दक्षिण दिशा से 7 से 11 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं।कृषि विज्ञान केंद्र ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए खेतों में कृषि कार्य सावधानीपूर्वक करें। तेज बारिश और बिजली गिरने की संभावना के दौरान खुले खेतों में कार्य करने से बचें तथा कृषि यंत्रों और बीज-उर्वरकों को सुरक्षित स्थान पर रखें।